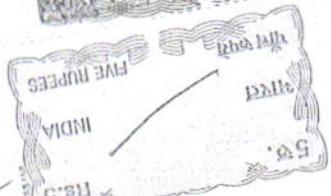
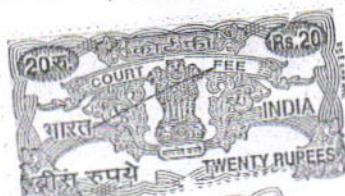


30

यः माननीय राजस्व मण्डल मोप्र० ग्वालियर

प्र. क्र. / निगरानी / ग्वालियर / भूराजस्व / 2019/



(ग्रामी-०३२४/२०१९) दत्तिया भूमि

राजेन्द्र प्रसाद पुत्र श्री विश्वेश्वर दग्गाल
श्रीवास्तव निवासी भाण्डेर, तहसील भाण्डेर
जिला दत्तियासुरेशचन्द्र पुत्र श्री हरप्रसाद निवासी भाण्डेर
तहसील भाण्डेर जिला दत्तिया .. प्रार्थीगण

बनाम

मोप्र० शासन

प्रतिप्राप्ती

मोप्र० भूराजस्व संहिता की धारा 50 के अंतर्गत माननीय
आयुक्त महोदय संभाग जिला ग्वालियर के प्रकरण
कमांक 225/2006-07 निगरानी में पारित आदेश
दिनांकी 03.01.2012 के निर्णय के विरुद्ध निगरानी

श्रीमान जी,

प्रार्थीगणों की ओर से निगरानी निम्न प्रकार प्रस्तुत है :-

1— यह कि, ग्राम भाण्डेर में स्थित सर्वे कमांक 82 रकवा 0.282हे० सर्वे कमांक 32 रकवा

0.052हे०, सर्वे कमांक 199/1 रकवा 0.314हे० भूमि का भूमि व्यवस्थापन नाया

प्रस्तुत। विकास दिनांक 28-21/1983-84, 815 बी-121/1986-87, 298/1983-84 अ-19, 816/1986-87

दिनांक 7-3-1 ग्रामी-121, 297/1983-84 अ-19 में पारित आदेश दिनांक 17.02.1987 के द्वारा माननीय आयुक्त महोदय संभाग जिला ग्वालियर द्वारा जारी किया गया तथा पट्टा दिनांक से ही प्रार्थीगण उक्त भूमि पर अधिपत्यधारी हैं।

प्रार्थीगणों के हक में हुये पट्टे को अनुविभागीय अधिकारी भाण्डेर द्वारा जॉच में लिया गया और अपने जॉच प्रतिवेदन में दिनांक 09.09.2005 को यह प्रतिवेदन दिया गया। विवादग्रंस्त भूमि कमश कदीम नजूल ख़ंती आबादी नजूल दर्ज है तहसीलदार द्वारा बिना पट्टे के प्रदाय किये बगैर प्रार्थीगणों का नाम भूमि स्वामी स्वत्व के रूप में अंकित कर दिया गया जबकि प्रकरण कमांक 269 अ-19/1983-84, 298/1983-84 अ-19, एवं 297/1983-84 अ-19 किसी भी न्यायालय में प्रचलित नहीं हुये हैं। वोरा ना ही दायरे में दर्ज पाये गये हैं इसप्रकार फर्जी पंजीयन कर पट्टों का अमल फर्जी रिकॉर्ड में कराया गया है उक्त पट्टे फर्जी पाये जाने के आधार पर अनुविभागीय अधिकारी भाण्डेर द्वारा प्रकरण कमांक 2/1987-88 अ-20(अ) दर्ज कर जॉच स्पष्ट किया गया।

कमांक 2

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग-अ

क्रमांक— निगरानी-0328/2019/दतिया/भू.रा.

राजेन्द्र प्रसाद व सुरेशन्द्र श्रीवास्तव विरुद्ध म.प्र. शासन

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकारी पत्र भर्तवार्ता को आदि
28/05/2019	<p>आवेदकगण की ओर से अभिभाषक श्री जगदीश श्रीवास्तव एवं शासकीय अभिभाषक श्री राजीव शर्मा उपस्थित। उभय पक्ष के विद्वान अधिवक्ताओं को ग्राहयता के बिन्दु पर सुना गया।</p> <p>2/ आवेदकगण द्वारा यह निगरानी आयुक्त ग्वालियर संभाग, ग्वालियर के प्रकरण क्रमांक 225/2006-07 में पारित आदेश दिनांक 03-01-2012 के विरुद्ध मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत इस न्यायालय में दिनांक 28-02-2019 को प्रस्तुत की गई है। प्रकरण के साथ प्रश्नाधीन आदेश की सत्यापित प्रति प्रस्तुत नहीं की गई है। निगरानी की राथ संहिता की धारा 48 का आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदकगण द्वारा आयुक्त के जिस आदेश को चुनौती दी गई है, वह 03-01-2012 अर्थात् 07 वर्ष पुराना है। आवेदकगण द्वारा 16-01-2019 को आदेश की जानकारी होना एवं 18-01-2019 को आदेश की सत्यापित प्रति प्राप्ति हेतु आवेदन प्रस्तुत करने संबंधी लेख किया है, परन्तु उत्त आवेदन के समर्थन में कोई दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है। धारा 48 में यह प्रावधान है – “अपील, पुनर्विलोकन या पुनरीक्षण के लिये प्रत्येक याचिका के साथ उस आदेश की, जिसके कि संबंध में आपत्ति की गई है, प्रमाणित प्रतिलिपि होगी जब तक कि ऐसी प्रतिलिपि के पेश किये जाने से अभिमुक्ति न दे दी गई हो।” इसके अतिरिक्त आवेदक आयुक्त के आदेश के 7 वर्ष बाद निगरानी प्रस्तुत करने के उपरांत 04 पेशी तथा 04 माह का समय व्यतीत होने के पश्चात भी प्रश्नाधीन आदेश की सत्यापित प्रति प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे। म्याद अधिनियम की धारा 05 के समर्थन में शपथ-पत्र भी प्रस्तुत नहीं किया गया है। आवेदक द्वारा सत्यापति प्रति प्रस्तुत न करने एवं म्याद अधिनियम की धारा 05 के साथ शपथ-पत्र प्रस्तुत न करने के कारण निगरानी अग्राह्य की जाती है।</p> <p>पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p> 	

(आज्ञा को जैन २४/५/१९
संदर्भ)